pan>

Title: Need to set up a statue of Bhikhari Thakur, a Bhojpuri language playwriter, lyricist actor and social activist in Natya Kala Academy, Mandi House, Delhi. .

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) : महोदय, भोजपुर के लोक कला के मर्मज्ञ भिखारी ठाकुर जी, जिनकी गाथाएं आज देश एवं विश्वभर में प्रसिद्ध हैं, 25 करोड़ लोगों के द्वारा बोली जाने वाली भोजपुरी भाषा में लोक गीत जो जन-जन तक प्रचलित हैं। उस समय में उन्होंने विदेशिया, बटोहिया, विधवा विलाप उनकी प्रसिद्ध रचनाएं रही हैं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को स्पर्श करने का प्रयास किया है। विशेषकर वह गोस्वामी तुलसीदास जी की रामायण से बहुत ही प्रेरित थे और उसी के बाद उन्होंने खड़गपुर जाकर रामलीला और यात्रा पार्टी में सम्मिलित होने का प्रयास किया और वहां से आने के बाद उन्होंने एक रामलीला पार्टी का मंचन किया। वह एक बहुत बड़े प्रसिद्ध समाज सुधारक थे, उन्होंने उस जमाने में अपने लोक गीत के माध्यम से विभिन्न समाज की विकृत स्थिति को भी दर्शाया है।

मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि भिखारी ठाकुर जी, जो बहुत ही प्रसिद्ध गीतकार, कलाकार रहे, उनके नाम पर दिल्ली स्थित मंडी हाउस में जो नाट्य कला परिषद है, वहां उनकी एक मूर्ति स्थापित कराई जाए तथा इसके साथ ही मैं भोजपुरी भाषा को अष्टम सूची में दर्ज करने की मांग भी करता हूं। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Ashwini Kumar Choubey.